15

ईल का अद्‌भुत सफर

कई जंतुओं का व्यवहार हैरत-अंगेज़ होता है, मसलन ईल मछली को ही लें। यह मछली यूरोप और अमरीका की नदियों में निवास करती है परन्तु प्रजनन के लिए हज़ारों किलोमीटर दूर स्थित सरगासो समुद्र की ओर चल पड़ती है। सौ साल पहले तक इसके जीवन चक्र और प्रजनन स्थल की जानकारी नहीं थी। यूरोपीय व अमरीकी ईल के बारे में जानकारी हासिल करने के गहन प्रयासों का ब्यौरा है इस लेख में। लेकिन अब भी हिन्दुस्तानी ईल यानी बाम मछली के बारे में बहुत ज़्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ककड़ी कड़वी क्यों?

खीरा सिर ते काटिए, मलियत लोन लगाय।
रहिमन कड़वे मुखन को, चहियत यही सजाय।

आज से चार सौ साल पहले रहीम ने ककड़ी के कड़वेपन और मानव-वाणी की कड़वाहट दूर करने के बारे में यह सलाह दी थी।

एक शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के दौरान शिक्षकों ने ककड़ी के कड़वेपन को लेकर आम धारणाओं और अटकलों की विस्तार से जांच-पड़ताल की। उनके निष्कर्ष जानने के लिए पढ़िए यह लेख।

26

शैक्षणिक संदर्भ

अंक: 56 अक्टूबर-दिसंबर 2006

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

7 | **वन्य-जीव गणना, विधियां एवं ....**
अनिल गोरे एवं एस. परांजपे

15 | **ईल का अद्‌भुत सफर**
अरविंद गुप्ते

24 | **एक कोशीय जीव**
मार्टिन गार्डनर

26 | **ककड़ी कड़वी क्यों?**
उमा सुधीर

33 | **उसकी कहानियां**
रिनचिन

43 | **एवोगैड्रो संख्या**
सुशील जोशी

49 | **पिप्पी का स्कूल जाना**
ऐस्ट्रिड लिंडग्रन

58 | **क्या होते हैं कम्प्यूटिंग के मायने**
अचिंश्मत गोरे

71 | **महाभारत पर कुछ विचार**
सी. एन. सुब्रह्मण्यम एवं पी. के. बसंत

85 | **पेट का ऑपरेशन**
फ्रिगैश करिंथि

96 | **प्रवासी मछलियों के लिए रपटे और सीढ़ियां**